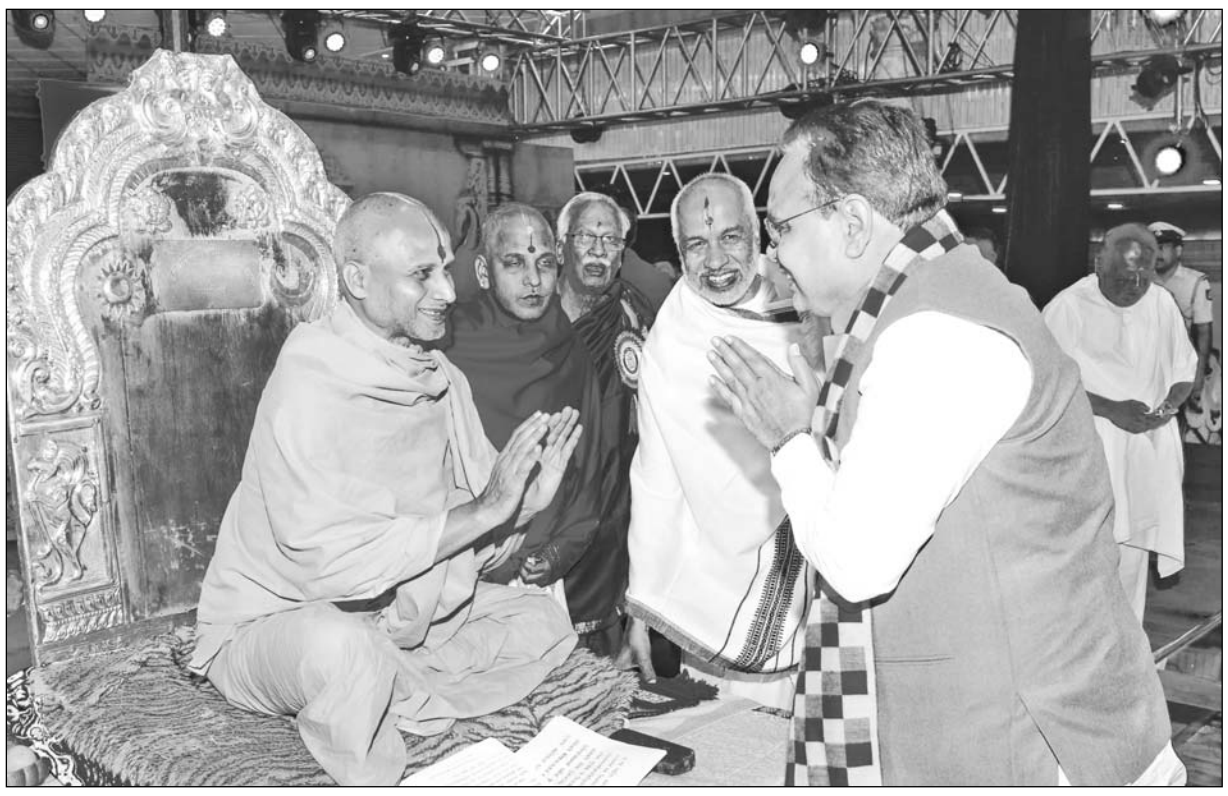

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कर्नाटक के बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वें राज्य स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अशोक हर्नाहल्ली सहित संत-महात्मा तथा बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित रहे।

'ब्राह्मण समाज पूरे राष्ट्र को दिशा देने का काम करता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बेंगलुरु में सुवर्णा समब्रह्म व ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित किया

बेंगलुरू/जयपुर, 18 जनवरी। शनिवार को कर्नाटक के बेंगलुरू में सुवर्णा समब्रह्म और 11वें राज्य स्तरीय ब्राह्मण सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा जन सेवा के कार्यों से अपने, ध्येय "सर्वे जना सुखिनो भवन्तु" को चरितार्थ कर रही है। यह वेदों और शास्त्रों के पारायण, नित्यकर्मों के पालन और सामाजिक आयोजनों के माध्यम से सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण एवं संवर्धन का कार्य कर रही है। हमारे प्राचीन ज्ञान को जीवित रखने का यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्राह्मण समाज हमारी सामाजिक और सांस्कृतिक धारा को दिशा देने वाला महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। यह वह समाज है जो पूरे राष्ट्र को दिशा देने का काम करता है।

- **उन्होंने कहा, राजस्थान की तरह कर्नाटक भी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिये विख्यात है। उन्होंने राजस्थान व कर्नाटक के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को मजबूत बनाने के लिये सभी को राजस्थान आने के लिये आमंत्रित किया।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि देश और समाज के उत्थान में हर व्यक्ति की भूमिका अहम है। समाज में शांति, न्याय और सद्भावना को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ हमारी जिम्मेदारी है कि हम हर क्षेत्र में प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाते रहें। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमें विकास के साथ विरासत का संरक्षण करने की प्रेरणा दी है। हमें उनके दिखाए मार्ग का अनुसरण करते हुए हमारे पूर्वजों की दी हुई सांस्कृतिक विरासत को संजोने के साथ मजबूत भी करना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह राजस्थान अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए देश- दुनिया में जाना जाता है, उसी तरह कर्नाटक भी अपनी सांस्कृतिक विरासत के लिए विख्यात है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों के अनुसार, भगवान परशुराम ने कर्नाटक के कोंकण तट का निर्माण किया था, इसलिए इसे परशुराम सृष्टि कहा जाता है। शर्मा ने कहा कि कर्नाटक संगीत पूरी दुनिया के शास्त्रीय संगीत में अपनी एक विशिष्ट पहचान रखता है। मैं राजस्थान और कनार्टक के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को और अधिक मजबूत करने के लिए आप सभी को राजस्थान आने के लिए आमंत्रित करता हूं। कार्यक्रम में अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष अशोक हर्नाहल्ली सहित, महासभा के अन्य पधाधिकारीगण, संत-महात्मा तथा बड़ी संख्या में विप्र समाज के लोग उपस्थित थे।

सत्र न्यायालय ने संजय रॉय को दुष्कर्म व हत्या का दोषी माना

अदालत ने 57 दिन सुनवाई के बाद आर जी कर अस्पताल के प्रशिक्षु डॉक्टर प्रकरण में फैसला सुनाया

कोलकाता, 18 जनवरी। पश्चिम बंगाल में सियालदह की एक अदालत ने शनिवार को कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या के मामले में सिविल वालंटियर संजय रॉय को दोषी करार दिया। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिरबन दास ने 12 नवंबर-2024 को शुरू हुई बंद कमरे में सुनवाई के 57 दिन बाद यह फैसला सुनाया। रॉय ने अदालत में दावा किया कि उसे फंसाया गया है। न्यायाधीश ने हालांकि यह भी कहा कि सजा सुनाये जाने से पहले, उसे सोमवार को बोलने का मौका दिया जायेगा।

- **सोमवार को अभियुक्त की सजा पर बहस होगी। संजय रॉय को भी कहने का मौका दिया जायेगा।**

सियालदह सत्र न्यायालय ने पिछले वर्ष 12 नवंबर से बंद कमरे में सुनवाई की थी और 09 जनवरी-2025 को समाप्त हुई। सुनवाई के दौरान, पीड़िता के माता-पिता, जांच अधिकारी, फोरेंसिक विशेषज्ञ और आरजी कर में उसके सहकर्मियों सहित 50 गवाहों के बयान दर्ज किये गये।

कोलकाता पुलिस से जुड़े सिविक वालंटियर संजय रॉय इस मामले में एकमात्र आरोपी है। उसे उसी दिन कोलकाता पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। पिछले वर्ष 14 अगस्त को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मामले की जांच का काम केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया था।

गौरतलब है कि 31 वर्षीय द्वितीय वर्ष की स्नातकोत्तर महिला डॉक्टर से तीसरी मंजिल पर स्थित कार्डियक डिपार्टमेंट सेमिनार रूम में दुष्कर्म के बाद, बेरहमी से उसकी हत्या कर दी गयी थी, जहां वह लगातार 36 घंटे की ड्यूटी करने के बाद विश्राम करने गयी थी।

फैसले के बाद, दोषी संजय ने कहा-मुझे इस मामले में फंसाया गया है। मैंने यह काम नहीं किया। जिन्होंने ये काम किया है, उन्हें जाने दिया गया है। एक आईपीएस इसमें शामिल है। मैं रुद्राक्ष की माला पहनता हूं और अगर मैंने अपराध किया होता तो यह टूट जाती।

20 जनवरी से तीन नई वंदे भारत ट्रेन शुरु होंगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 जनवरी। भारतीय रेल्वे ने 20 जनवरी से तीन वंदे भारत एक्सप्रैस के बारे में अपडेट जारी की है। इसमें ट्रेन 22439 वंदे भारत एक्सप्रैस भी शामिल है जो नई दिल्ली से कटरा जाएगी और 2478 वंदे भारत एक्सप्रैस ट्रेन कटरा से नई दिल्ली आएगी।

- **इनमें नई दिल्ली से कटरा जाने वाली और कटरा से नई दिल्ली आने वाली ट्रेन भी शामिल है।**

इन सेमी हाई स्पीड ट्रेन का संचालन व रखरखाव नॉर्दर्न रेल्वे करता है। अपनी आरामदायक यात्रा की वजह से यात्रियों में ये बेहद लोकप्रिय हैं। इनमें समय भी कम लगता है। इस समय देशभर में 136 वंदे भारत ट्रेनें चल रही है।

एक-दूसरे के बंदियों को रिहा करेंगे इज़रायल व हमास

येरुशलम, 18 जनवरी। इज़रायल-हमास के बीच हुए युद्ध विराम समझौते के बाद, दोनों देशों ने इस पर अमल करना भी शुरू कर दिया है। इज़रायल के न्याय मंत्रालय ने 700 से अधिक फिलस्तीनी कैदियों की सूची प्रकाशित की है, जिन्हें गाजा में हमास के साथ संघर्ष को रोकने वाले समझौते के तहत रिहा किया जाना है। यह सूची इज़रायल के पूर्ण मंत्रिमंडल द्वारा युद्ध विराम समझौते को मंजूरी दिए जाने के कुछ घंटों बाद जारी की गई है।

- **दोनों पक्षों के बीच युद्ध विराम पर अमल शुरु हो गया है।**

मंत्रालय ने कहा कि फिलस्तीनी कैदियों को रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम चार बजे से पहले रिहा नहीं किया जाएगा, जिस दिन आदान-प्रदान शुरू होना है। इस सूची में हमास और इस्लामी आतंकवादी समूहों के सदस्य शामिल हैं, जिनमें से कुछ आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं और हत्या जैसे गंभीर अपराधों में दोषी हैं। इजरायल की ओर से रिहा किए जाने वाले फिलिस्तीनी बंधकों की 700 कैदियों की सूची में मारवान बरगौती (64) का नाम शामिल नहीं है। यह इज़रायल द्वारा बंदी बनाया गया सबसे प्रमुख फिलिस्तीनी कैदी है।

बरगौती को कई फिलस्तीनी लोग आगामी वर्षों में अपने राष्ट्रपति पद के प्रमुख उम्मीदवार के तौर पर देखते हैं। बरगौती 2000 के दशक के प्रारंभ में दूसरे फिलस्तीनी विद्रोह के दौरान पश्चिमी तट में एक नेता था। हमास ने मांग की है कि इजरायल किसी भी युद्ध विराम समझौते के तहत उसे रिहा करे, हालांकि इजरायली अधिकारियों ने इस संभावना से इनकार किया है। मगर हमास बरगौती को हर हाल में रिहा कराना चाहता है।

किसान नेता डल्लेवाल से मिला केन्द्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल

किसान आंदोलन पर केन्द्र सरकार ने सक्रियता दिखाई

पटियाला, 18 जनवरी। पंजाब और हरियाणा के खनौरी बॉर्डर पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का आज 54वां दिन है। शुक्रवार रात को डल्लेवाल को 3-4 बार उल्टियां आईं। पहले वे 2 लीटर तक पानी पी रहे थे, लेकिन अब एक लीटर से भी कम पानी पी रहे हैं। शनिवार को केन्द्र सरकार का प्रतिनिधिमंडल केन्द्रीय कृषि मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी प्रिया रंजन की अगुआई में खनौरी बॉर्डर पर पहुंचा। यहां उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने किसानों को आश्वासन दिया कि सरकार उनकी समस्याओं को लेकर चिंतित है। उनकी समस्याओं के समाधान के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

केन्द्र सरकार की टीम किसान नेताओं के पास सरकार का प्रस्ताव लेकर पहुंची। इस बैठक में किसानों की मांगों पर विचार-विमर्श चला, जिसमें आंदोलनरत किसानों की मुख्य मांगें शामिल रहीं। वहीं, खनौरी और शंभू मोर्चे के

- **जगजीत सिंह डल्लेवाल के आमरण अनशन का आज 54वां दिन है।**

नेताओं और संयुक्त किसान मोर्चा के नेताओं की मीटिंग पटियाला के पातड़ा में हुई। मीटिंग में 26 जनवरी को होने वाले ट्रैक्टर मार्च को लेकर स्ट्रेटजी बनाई गई, लेकिन संयुक्त किसान मोर्चा और शंभू-खनौरी बॉर्डर के नेताओं में एकता को लेकर फैसला नहीं लिया जा सका। संयुक्त किसान मोर्चा ने इसके लिए अभी और समय की मांग की है। संयुक्त किसान मोर्चा के नेता सोमवार को देश के लोकसभा और राज्यसभा के सांसदों को ज्ञापन सौंपेंगे।

उधर, संयुक्त किसान मोर्चा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने किसान नेता डल्लेवाल की सेहत पर चिंता व्यक्त करते हुए किसानों की मांगों को मानने का अनुरोध किया है।

राहुल गांधी ने बिहार की जाति गणना को फर्जी बताया

पटना, 18 जनवरी। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने बिहार की नीतीश सरकार की महत्वाकांक्षी जातिगत गणना को फर्जी बताया और कहा कि देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए ऐसी गणना अवश्य होनी चाहिए लेकिन इस राज्य में जैसी हुई वैसी नहीं।

गांधी ने शनिवार को बापू सभागार में आयोजित संविधान सुरक्षा सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, "देश की वास्तविक स्थिति को समझने के लिए राष्ट्रव्यापी जातिगत गणना कराई जानी चाहिए लेकिन यह गणना बिहार जैसी फर्जी नहीं होगी। देश में जातिगत गणना के आधार पर नीति बनाई जानी चाहिए।"

कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर जातिगत जनगणना से संबंधित विधेयक को लोकसभा और राज्यसभा में पारित कराएगी। उनकी सरकार आरक्षण की 50 प्रतिशत की बाधा को ध्वस्त कर देगी।

- **उन्होंने कहा, कांग्रेस की सरकार बनने पर लोकसभा - राज्यसभा में विधेयक पारित कराकर असली जनगणना करायेंगे।**

गांधी ने कहा, "संविधान में कहां लिखा है कि भारत की सारी संपत्ति सिर्फ दो से तीन लोगों के हाथ में चली जानी चाहिए। आज के भारत में विधायकों और सांसदों के पास कोई ताकत नहीं है। जब मैं पिछड़े समुदाय, दलितों, आदिवासियों से ताल्लुक रखने वाले भाजपा सांसदों से मिलता हूं तो वे कहते हैं कि हमें पिंजरे में डाल दिया गया है।"

कांग्रेस नेता ने केंद्र की मोदी सरकार पर देश की असली सत्ता उद्योगपति गौतम अडानी, मुकेश अंबानी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के हाथों में सौंप देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब मोदी को पता चला कि पिछड़े समुदाय, दलितों के लोग प्रतिनिधित्व ले रहे हैं तो उन्होंने आपको प्रतिनिधित्व दिया लेकिन सत्ता छीन ली। सत्ता अंबानी, अडानी और आरएसएस को दे दी गई है। हर संगठन में अपने लोगों को रखा है।

अब नीमकाथाना...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समान स्थिति के कुछ अन्य जिलों को राजनीतिक कारणों से बरकरार रख गया है, जबकि करीब तीन दशक से नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग की जा रही थी।

ऐसे में जिला रद्द करने की अधिसूचना को निरस्त किया जाए। गौरतलब है कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने अगस्त, 2023 में तीन संभाग और 19 जिलों का गठन किया था। वर्तमान भाजपा सरकार ने गत दिसंबर माह में नव सृजित तीनों संभाग व 9 जिलों को निरस्त करते हुए, आठ जिलों को यथावत रखा था।

मोहन भागवत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई छोटी उपलब्धि नहीं है। विशेषज्ञों के अनुसार, राहुल गांधी और कांग्रेस धरोहर पर पुन: दावा कर रहे हैं, और वे पूरी तरह से इसके हकदार हैं। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद की अपनी राजनीति में जो संकीर्ण वैचारिक अभिव्यक्ति विकसित की थी, उससे अब वह बाहर आ गई है।

राहुल के अनुसार, आर.एस.एस. और भागवत उपनिवेशी राजनीति की ओर लौटने की कोशिश कर रहे हैं, जिसमें रुढ़िवादियों द्वारा हर परिवर्तन का, भारतीय संस्कृति और सभ्यता को बचाने के नाम पर, विरोध किया जाता था।

कांग्रेस ने भागवत के इन्दौर के बयान को सही समझा है, जिसमें उन्होंने अयोध्या से राम मंदिर निर्माण को वास्तविक आज़ादी बताया है, और स्वतंत्रता संग्राम की भावना व संविधान को खारिज कर दिया है। भागवत का बयान यहीं नहीं रुका, उन्होंने स्वतंत्र भारत के संघर्ष व उपलब्धियों को भी नकार दिया। क्या इसका कारण यह सत्य है कि आज़ाद भारत की नींव कांग्रेस नेता जवाहरलाल नेहरु ने रखी थी। भागवतऑ धर्म तंत्र में विश्वास करते हैं।

भागवत ने युद्ध रेखा खींची है और राहुल ने इसे स्वीकार कर लिया है।

सैफ का संदिग्ध हमलावर छत्तीसगढ़ से गिरफ्तार

आरोपी शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में बैठा था

रायपुर, 18 जनवरी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) ने फिल्म अभिनेता सैफ अली खान पर हमले के एक संदेही को शनिवार को गिरफ्तार किया। हमला आरोपी को शालीमार ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से गिरफ्तार किया गया है। जनरल डिब्बे में संदेही बैठा हुआ था। मुंबई पुलिस की ओर से भेजे गए फोटो के आधार पर आरोपी की पहचान की गई है।

आज रात आठ बजे मुंबई पुलिस दुर्ग पहुंचेगी। मुंबई पुलिस ने संदेही का एक मोबाइल नंबर शेयर किया था, वह नंबर डोंगरगढ़ के किसी राजेन्द्र के नाम पर रजिस्टर्ड है।

बुधवार देर रात बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान के मुंबई स्थित घर में घुसे एक युवक ने उन पर हमला कर दिया था। इस हमले में सैफ को गंभीर चोटें आई थीं और उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती करवाया गया था।

- **पुलिस ने शुक्रवार को भी एक संदिग्ध को पकड़ा था पर पांच घंटे पूछताछ के बाद सबूतों के अभाव में छोड़ दिया।**

सैफ अली खान मुंबई के लीलावती अस्पताल में उपचाराधीन हैं और डॉक्टरों ने शनिवार को बताया कि उनकी हालत में सुधार हो रहा है तथा उन्हें अगले दो या तीन दिन में अस्पताल से छुट्टी दे दी जाएगी।

बॉलीवुड अभिनेता पर बांद्रा स्थित उनके आवास में घुसकर एक घुसपैठिये ने चाकू से हमला कर दिया था, उन्हें रीढ़ की हड्डी सहित कई हिस्सों में चोटें आई थीं।

सैफ की आपातकालीन सर्जरी की गई है और उन्हें गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से हटाकर विशेष वार्ड में रखा गया है तथा डॉक्टरों का एक पैनल लगातार उनकी निगरानी कर रहा है।

इस बीच, हमलावर अभी भी फरार है और मुंबई पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए 20 टीमें गठित की हैं। पुलिस शुक्रवार को एक संदिग्ध को पूछताछ के लिए लायी थी, हालांकि पांच घंटे की पूछताछ के बाद, सबूतों के अभाव में उसे छोड़ दिया गया। ताजा घटनाक्रम के अनुसार शहर पुलिस ने प्राप्त सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, मुख्य आरोपी को दादर रेलवे स्टेशन पर मोबाइल कवर खरीदते समय देखा गया। पुलिस अभी तक मुख्य आरोपी तक नहीं पहुंच पायी है।

राजनाथ सिंह ने महाकुंभ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्नान करने के बाद, उन्होंने वैदिक रीति से मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा की पूजा-अर्चना की। जब रक्षामंत्री संगम में आस्था की डुबकी लगा रहे थे, दूर खड़े श्रद्धालु जय श्री राम, हर हर महादेव के नारे लगा रहे थे। सिंह ने दोनों हाथ हिलाकर, दूर खड़े लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। स्नान करने के साथ उन्होंने संगम के जल का आचमन भी किया। सिंह ने अक्षय वट, पातालपुरी, सरस्वती कूप का दर्शन करने के बाद, लेटे हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। उसके बाद, उन्होंने अखाड़ों के संतो से मुलाकात की। सभी कार्यक्रमों के बाद वे एक विवाह समारोह में शिरकत करने जाएंगे।

रक्षा मंत्री के आने से पहले, आर्मी ने पूरे किला घाट को अपने कब्जे में ले लिया। घाट के किनारे से लेकर पानी के अंदर तक आर्मी के जवानों ने जांच की। अंडर वाटर ड्रोन भी एक्टिव कर दिया गया। पानी के अंदर की हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही थी।

नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में अरविंद केजरीवाल की गाड़ी पर पथराव

केजरीवाल वहां चुनाव प्रचार के लिए गए थे

नई दिल्ली, 18 जनवरी। नई दिल्ली में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर हमला किया गया है। उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके गए, जिससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, भाजपा ने कहा कि अरविंद केजरीवाल ने अपनी गाड़ी से 2 युवाओं को टक्कर मारी है। आप की ओर से बयान जारी कर कहा गया है कि अरविंद केजरीवाल पर प्रवेश वर्मा के गुंडों ने हमला किया है। नई दिल्ली विधानसभा में प्रचार करते वक्त यह हमला किया गया है। स्थानीय लोगों से प्रवेश वर्मा के गुंडों की झड़प हुई है। स्थानीय लोगों ने भाजपा के गुंडों को भगा दिया और कहा है, भाजपा वालों, तुम्हारे इस कायराना हमले से केजरीवाल डरने वाले नहीं हैं, दिल्ली की जनता तुम्हें इसका करारा जवाब देगी।

- **आप पार्टी का आरोप है कि प्रवेश वर्मा के गुंडों ने पथराव किया है, वहीं भाजपा ने कहा केजरीवाल की गाड़ी ने दो युवकों को टक्कर मारी है।**
- **पुलिस ने मामले की जांच शुरु कर दी है।**

प्रवेश वर्मा ने एक वीडियो दिखाते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की गाड़ी ने हमारे 2 कार्यकर्ता को कुचल दिया है। आप के नेता अनमोल ने कहा कि भाजपा ने दोबारा से अरविंद केजरीवाल पर हमला करवाया है। ये इस बात का प्रमाण है कि भाजपा दिल्ली विधानसभा चुनाव हार रही है। दिल्ली पुलिस को मामले में कार्रवाई करनी चाहिए। देश की राजधानी में पूर्व मुख्यमंत्री ही सुरक्षित नहीं है, तो आम लोगों का क्या होगा।

अरविंद केजरीवाल पर हमले को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता बौखलाए हुए हैं। अरविंद केजरीवाल के कामों पर लड़ने की हिम्मत नहीं है, तो अपने गुंडों से उन पर हमला करवा दिया। इससे ज्यादा घटिया और निचले स्तर की राजनीति कोई हो नहीं सकती, जो भाजपा कर रही है। भाजपा यह समझ लें, इस ईंट का करारा जवाब तुम्हें अब जनता पत्थर से देगी। नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले। प्रवेश वर्मा ने आरोप लगाया कि उन्हें (पार्टी कार्यकर्ताओं को) आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की कार ने टक्कर मार दी, जब वह आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार कर रहे थे।

भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने कहा कि 3 युवा अरविंद केजरीवाल से अपनी नौकरी को लेकर सवाल कर रहे थे। तीनों युवाओं को अरविंद केजरीवाल की गाड़ी ने टक्कर मारी है, जिसमें वे बैठे हुए थे। पहले ड्राइवर ने एक बार ब्रेक मार दी थी, जिसके बाद केजरीवाल ने इशारा किया कि गाड़ी चढ़ा दो जिसके बाद ड्राइवर ने गाड़ी चढ़ाई। ये हत्या की साजिश का केस बनता है। तीनों युवाओं ने कहा है कि वे एफ.आई.आर. दर्ज कराएंगे।

दिव्यांग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अमर एसोसिएट के जरिए संविदाकर्मी लेने का करार किया था। याचिकाकर्ता दिव्यांग ने 10 जनवरी, 2023 को वार्ड बॉय के लिए आवेदन किया। उसे 13 अप्रैल, 2023 को गोविंदगढ़ पंचायत समिति के इटावा भोपजी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में नियुक्ति दी गई।

याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता से सितंबर, 2024 तक काम लिया गया और बाद में उसकी सेवा समाप्त कर दी गई। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि इस अवधि में किए गए काम के बदले न तो प्लेसमेंट एजेंसी ने उसे वेतन के तौर पर कोई राशि दी और न ही विभाग ने उसे वेतन दिया।

इस पर याचिकाकर्ता की ओर से प्लेसमेंट एजेंसी और स्वास्थ्य विभाग को कई बार पत्र लिखकर भी वेतन देने की मांग की, लेकिन उसके पत्रों पर कोई भी कार्रवाई नहीं की गई। याचिका में कहा गया कि बिना वेतन दिए सेवाएं लेना बेगार के समान है। ऐसे में उसे बकाया वेतन दिलाया जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'कांग्रेस का संगठनात्मक ढांचा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चूंकि गत कुछ सालों से वामपंथी विचारधारा का पतन हो रहा है और उसके बाद से ही कई वामपंथी नेता कांग्रेस में आ गए हैं और गांधी परिवार के आँख, कान बन गए है। कांग्रेस का संगठन बिखर रहा है और वामपंथियों ने इसकी सोच पर कब्जा कर लिया है।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, राहुल गांधी ने क्या गलत बोला। वो बिल्कुल सही बोले। हमारी लड़ाई पूरे सिस्टम से है, उस राज्य से है जो संपूर्ण संघ परिवार के नियंत्रण में है। मूर्ख भाजपा सदस्य "नेशन" और "स्टेट" के बीच फर्क नहीं समझते हैं। स्टेट है बेकार सरकार, भ्रष्ट नौकरशाह और संघ परिवार के लोगों से भरी हुई एजेंसियां।"

राहुल के इंडियन स्टेट संबंधी बयान के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा था, "मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि वे उच्चतम स्तर के विश्वासघाती और देशद्रोही हैं।" उसी दिन भाजपा ने सोशल मीडिया पर यह पोस्ट डाली थी: "जॉर्ज सोरॉस और नेहरू-गांधी परिवार के बीच का जुड़ाव बहुत गहरा है। यह जुड़ाव सोनिया गांधी की "फोरम ऑफ डैमोक्रेटिक लीडर्स-एशिया पैसिफिक (एफडीएल-एपी) की सह-अध्यक्ष की भूमिका से भी आगे तक फैला हुआ है। फोरी नेहरू, जो सोरॉस की तरह ही हंगरी की रहने वाली हैं, का विवाह जवाहर लाल नेहरू के चचेरे भाई बी.के. नेहरू के साथ हुआ था तथा इस प्रकार, वे राहुल गांधी की रिश्तेदार हुईं। सोरॉस के फोरी नेहरू से मिलने के दस्तावेजी साक्ष्य हैं तथा उनके साथ सोरोज का लम्बे समय तक पत्राचार हुआ है।"

उसी महीने, भाजपा ने एक डिजिटल समाचार पत्र "मीडिया पार्ट" से ओसीसीआरपी की जाँच कराई, जिससे सामने आया कि अमेरिकन सरकार और सोरोस- दोनों ही इसे फण्ड्स दिया करते थे। भाजपा ने आरोप लगाया कि अडानी-विवाद की ओसीसीआरपी द्वारा की गई कवरेज, पेगसस सर्विलैंस ऐप तथा ब्राजील द्वारा 2021 में कोवैक्सीन के आयात को निलम्बित किया जाना, आदि घटनाओं के तुरन्त बाद, राहुल गांधी और कांग्रेस ने ये मुद्दे उठाये थे।

उस समय, कांग्रेस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था तथा तथा कहा था कि ये आरोप इसलिये लगाये गये हैं, ताकि भाजपा लोगों का ध्यान अडानी ग्रुप के खिलाफ रिश्वत-कांड की अमेरिकन अदालत द्वारा की गई जाँच से हटा सके।

राहुल गांधी ने सितम्बर, 2024 में अपनी अमेरिका यात्रा के दौरान जब आरएसएस पर हमला बोला था, उस समय केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने उन्हें राजद्रोही करार दिया था तथा उन पर आरोप लगाया था कि वे भारत की बदनामी करने के लिये ही विदेश जाते हैं।

'जब तक 11...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया और बताया कि वे सम्पत्तियां, इसमें दिल्ली की सम्पत्तियां भी शामिल हैं जो 1969 से पहले पार्टी की थी और जिन पर कानूनी विवाद का सुप्रीम कोर्ट ने फैसला कर दिया था और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के अनुसार, 7, जंतर-मंतर रोड कांग्रेस का है। उन्होंने कहा कि इन सम्पत्तियों को जो कानूनी विवाद में फंसी थी, को वापस लेने के गंभीर प्रयास किए जाएंगे, क्योंकि अब यह स्पष्ट है कि वे सम्पत्तियां कांग्रेस की हैं।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908